Seventeenth Loksabha

p>

Title: Regarding regularization of the services of the Gramin Dak Sevak and to give them Rs. 10 lakh as grantuity on retirement.

श्री रितेश पाण्डेय (अम्बेडकर नगर): सभापति जी, भारतीय डाक देश की बहुत प्रसिद्ध संस्था है और यह देश के कोन-कोने को जोड़ती है । लेकिन ग्रामीण डाक सेवकों को निरंतर मेहनत के बाद भी नियमित नहीं किया गया है और वे सरकारी कर्मचारी नहीं माने जाते हैं । सातवें पे कमिशन की रिपोर्ट और कमलेश चन्द्रा कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार ये प्रस्ताव किया गया है कि उन्हें वार्षिक इंक्रीमेंट दी जाए और उनके वर्किंग ऑवर्स को नियमित किया जाए और मैटरनिटी लीव तथा पैटरनिटी बेनिफिट्स भी दिए जाएं । सरकारी डाक सेवकों की तरह ग्रामीण डाक सेवकों को भी पेंशन की व्यवस्था की जाए । मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि रिटायरमेंट के बाद भी इन्हें 10 लाख रुपये की ग्रेच्यूटी दी जाए और इन्हें पूरी तरह से नियमित करके सातवें पे कमिशन और कमलेश चन्द्रा रिपोर्ट के अनुसार पूरी तरह से नियमित किया जाए ।